ऑरगॅनीक कॉसमीमा शुभारंभ

"सभी फसलोंका शुभारंभ"

आज की स्थिती मे हमें, खेती के हालात एवं समस्याओंको समझकर, समय की जरूरत अनुसार किसानों को उचित एवं सरल तंत्रज्ञान उपलब्ध करान हमारा प्रमुख उद्येश है ।

१. सफेद जडोंका कमजोर विकास :

स्वस्थ एवं उत्पादक फसल के लिए सफेद जडोंका विकास होन महत्वपूर्ण है । लगातार जादा मात्रा में रासायनिक खादके प्रयोग के कारण, आज हमारे खेती में सफेद जडोंका उचित विकास असंभव हो गया है । जिसके कारण फसल में लगातार कमी आ रही है । इस अवस्थामें सफेद जडोंके उचित विकास के लिए "ग्रुडा गोल्ड सॉईल" का प्रयोग करना आवश्यक हो गया है :

२. हानिकारक जिवोंका प्रकोप बढना एवं लाभप्रद जिवों का विकास ना होना:

आज की स्थिती मे हानीकारक जिवों के कारण जमिनसे पैदा होने वाले रोग(wilt) बढ रहे है । और लाभप्रद जिवानु नष्ट / खत्म होने के कारण फसल मे लगातार कमी आ रही है । इन दोनो समस्याओंके समाधान हेतू हमें कॉसमिमा जिवन का प्रयोग आवश्यक हो गया है ।

३. स्वस्थ पोषक तत्वों की आवश्यकता

फसल की शुरूवाती अवस्था में (Non Chemical) स्वस्थ पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है किन्तू छोटी फसल को नुकसान पोहोंचनेके डर से किसान भाई खाद का प्रयोग २०-२५ दिन करते नही है ।

सुपर डिनिट्रो १९ के स्वस्थ्य पोषक तत्व, फसल का विकास करते है ।

<table>
<tr><th colspan="4">सभी प्रकार के फसलों के लिए</th></tr>
<tr><th>उत्पाद</th><th>योजना</th><th>मात्रा प्रति एकर</th><th>प्रयोग का विधि</th></tr>
<tr><td>ग्रुडा गोल्ड सॉइल</td><td>सफेद जडोंका उचित विकास</td><td>१०००
एम एल
(१ लि.)</td><td>२०० लि. पाणी में मिलाकर ड्रिप द्वारा या छिडकाव करके</td></tr>
<tr><td>कॉसमिमा जीवन</td><td>हानिकारक जिवोंके रोकथाम एवं लाभप्रद जिवों का विकास</td><td>५००
एम एल.</td><td>२०० लि. पाणी में मिलाकर डिप द्वारा या छिडकाव करके</td></tr>
<tr><td>सुपर डिनिट्रो १९</td><td>स्वस्थ्य पोषक तत्व, फसल का विकास करते है ।</td><td>१०००
एम एल
(१ लि.)</td><td>२०० लि. पाणी में मिलाकर ड्रिप द्वारा या छिडकाव करके</td></tr>
<tr><td colspan="4">सभी प्रकारके रस चुसने वाले कीडे माहू, हरा टिंडा, सफेद मख्खी,मकडी/कुटकी थ्रीप्स</td></tr>
<tr><td>पेस्टिगॉन सुरक्षा</td><td>गोल्ड सिल निम स्प्रेडर</td><td rowspan="2">सभी प्रकारके रस चुसने वाले कीडे माहू,
हरा टिंडा,
सफेद मख्खी,
मकडी/
कुटकी
थ्रीप्स

के रोकथाम के लिए</td><td rowspan="2">पौधोंपर छिडकांव</td></tr>
<tr><td>
१५ लि.पाणी में
२० एम.एल.
२०० लि.पाणी में
२५० एम.एल.</td><td>
१५ लि.पाणी में
४० एम.एल.
२०० लि.पाणी में
५०० एम.एल.</td></tr>
</table>